

ऑपरेशन आहत और मानव तस्करी

प्रलिस के लयि:

रेलवे सुरक्षा बल, ऑपरेशन एएचटी, राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो, ड्रग्स और अपराध पर संयुक्त राष्ट्र कार्यालय ।

मेन्स के लयि:

भारत में मानव तस्करी, महिलाओं से संबंधित मुद्दे, बच्चों से संबंधित मुद्दे ।

चर्चा में क्यों?

हाल ही में रेलवे सुरक्षा बल (Railway Protection Force- RPF) द्वारा मानव तस्करी को रोकने हेतु एक राष्ट्रव्यापी अभियान शुरू किया गया है ।

- 'ऑपरेशन आहत' (Operation AAHT) के तहत सभी लंबी दूरी की ट्रेनों/मार्गों पर विशेष टीमों को तैनात किया जाएगा, जो पीड़ितों, विशेष रूप से महिलाओं और बच्चों को तस्करी के चंगुल से बचाने पर ध्यान केंद्रित करेंगे ।
- राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो हर साल औसतन मानव तस्करी के लगभग 2,200 मामले दर्ज करता है ।

प्रमुख बडि

ऑपरेशन आहत के बारे में:

- भारतीय रेलवे, जो हर दिन (महामारी से पहले) 23 मिलियन से अधिक यात्रियों को आवागमन की सुविधा प्रदान करता है उन संदिग्धों के लिये सबसे बड़ा, तेज़ और सबसे विश्वसनीय वाहक है, जो बड़ी संख्या में महिलाओं और बच्चों की तस्करी करते हैं ।
- ऑपरेशन आहत (Operation AAHT) के तहत बुनियादी ढाँचे और खुफिया नेटवर्क का उपयोग पीड़ितों, स्रोत, मार्ग, गंतव्य, संदिग्धों द्वारा उपयोग की जाने वाली लोकप्रिय ट्रेनों, वाहकों/एजेंटों, कगिपनि आदिकी पहचान करने और अन्य कानून-प्रवर्तन एजेंसियों के साथ जानकारी साझा करने हेतु सुराग एकत्र करने, उनके मलिन और विश्लेषण करने हेतु किया जा सकता है ।
- इसके तहत आरपीएफ खतरे को रोकने में स्थानीय पुलिस की सहायता हेतु राज्यों में एक पुल के रूप में कार्य कर सकता है ।
- इसके अलावा साइबर सेल द्वारा मानव तस्करी के डिजिटल तरीकों की तलाश हेतु वेब/सोशल मीडिया का प्रयोग किया जाएगा साथ ही नेपाल, बांग्लादेश तथा म्यांमार की सीमा से लगे ज़िलों से आने वाली ट्रेनों पर अधिक ध्यान दिया जाएगा ।

मानव तस्करी:

- मानव तस्करी जिसे व्यक्तियों की तस्करी भी कहा जाता है, आधुनिक समय की दासता का रूप है जिसमें श्रम, यौन शोषण के उद्देश्य से बल या धोखे से व्यक्तियों का अवैध परिवहन शामिल है तथा ऐसी गतिविधियों को अंजाम देने वालों को आर्थिक लाभ होता है ।
 - मानव तस्करी विशेष रूप से महिलाओं और बच्चों का यौन शोषण, ज़बरन विवाह, घरेलू दासता, अंग प्रत्यारोपण, नशीली दवाओं की तस्करी आदि के लिये एक संगठित अपराध है और मानवाधिकारों के उल्लंघन का सबसे विकृत रूप है ।
- एक सर्वमान्य मत के अनुसार, देशों के बीच तस्करी बहुत व्यापक स्तर पर होती है लेकिन UNODC की एक रिपोर्ट के अनुसार, करीब 60% तस्करी देशों में आंतरिक रूप से होती है ।
- भारत में स्थिति: वर्तमान में मानव तस्करी से सबसे अधिक प्रभावित राज्य पश्चिम बंगाल है जिसके बाद छत्तीसगढ़, झारखंड और असम हैं ।

HUMAN TRAFFICKING in INDIA

HUMAN TRAFFICKING

Involves recruitment, transportation, transfer, harbouring or receipt of persons, by means of the threat or use of force or other forms of coercion/deception, for the purpose of exploitation.

NCRB 2018:

5264

Cases reported

64%

Females

48%

Below 18



MOST SUSCEPTIBLE

To fall victim to such malpractices are the economically disadvantaged, and people belonging to the SC, ST, AND OBC CATEGORIES

CAUSES

Poverty, social or cultural practice, and migration, porous nature of borders, corrupt Government officials, the involvement of international organised criminal groups or networks etc.



AFTER EFFECTS

Mental and Physical ailments such as depression, anxiety, PTSD, HIV, AIDS, STDS, TB

RELEVANT LAWS

- Article 23 and 24 of the Constitution of India.
- Sections in IPC such as 366A, 366B, 370 and 374.
- The Juvenile Justice Act
- Information Technology (IT) Act
- Immoral Traffic Act
- Prevention of Child Labour Act
- Bonded Labour (Abolition) Act

CHALLENGES

- Inadequate understanding & bad implementation of laws
- No regulation of social media
- Inadequate data



स्रोत: द हद्दू

PDF Referenece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/operation-aaht-and-human-trafficking>

